भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3293

08 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

पीजीआईएमईआर में डिजिटल स्वास्थ्य अवसंरचना

†3293. श्री मनीश तिवारीः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान, एचआईएस 2.0 और टेलीमेडिसिन सहित डिजिटल स्वास्थ्य अवसंरचना के लिए स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ को वर्ष-वार कुल कितना बजट आवंटित और जारी किया गया;

(ख) वर्ष 2020 से मातृ एवं शिशु देखभाल केंद्र और पीजीआईएमईआर के अन्य विभागों के लिए खरीदे गए चिकित्सा उपकरणों की मात्रा और प्रकार का ब्यौरा क्या है तथा कुल कितने उपकरण निष्क्रिय या कम उपयोग में हैं;

(ग) क्या यह सच है कि अपूर्ण अवसंरचना के कारण करोड़ों रुपये मूल्य के महत्वपूर्ण उपकरण बेकार पड़े हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी विलम्ब के क्या कारण हैं; और

(घ) पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में डिजिटल और भौतिक अवसंरचना की कमियों को दूर करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ को 'पूंजीगत परिसंपत्तियों के सृजन के लिए अनुदान' के तहत आवंटित निधि, जिसमें पिछले 5 वित्त वर्षों के दौरान डिजिटल स्वास्थ्य अवसंरचना के निर्माण के लिए बजटीय सहायता भी शामिल है, निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	वित्त वर्ष	संशोधित अनुमान	पूंजीगत परिसंपत्तियों के सृजन के अंतर्गत अनुदान सहायता निर्गमन
1	2020-21	401.53 करोड़ रूपये	326.53 करोड़ रूपये
2	2021-22	318.00 करोड़ रूपये	250.00 करोड़ रूपये
3	2022-23	270.00 करोड़ रूपये	270.00 करोड़ रूपये
4	2023-24	343.00 करोड़ रूपये	343.00 करोड़ रूपये
5	2024-25	350.00 करोड़ रूपये	350.00 करोड़ रूपये

(ख) और (ग): वर्ष 2020 से मातृ एवं शिशु परिचर्या केंद्र और संस्थान के अन्य विभागों के लिए खरीदे गए चिकित्सा उपकरणों का विवरण **अनुलग्नक** में है। मातृ एवं शिशु परिचर्या केंद्र का 93% सिविल कार्य पूरा हो चुका है। जगह और उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं के मद्देनजर भवन योजना में संशोधन, कोविड महामारी के आरंभ और अग्नि सुरक्षा मानदंडों के कारण सेवा ब्लॉक को केंद्र से बाहर स्थानांतरित करने के कारण केंद्र के निर्माण में देरी हुई है।

(घ): बेहतर रोगी परिचर्या हेतु अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में प्रधानमंत्री-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) के तहत एक उन्नत तंत्रिका विज्ञान केंद्र और एक गहन परिचर्या ब्लॉक के निर्माण को मंजूरी दी गई है। हिमाचल प्रदेश के ऊना और पंजाब के फिरोजपुर में सैटेलाइट सेंटर की स्थापना को भी मंजूरी दी गई है। पीजीआईएमईआर में डिजिटल अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए मौजूदा अस्पताल सूचना प्रणाली एचआईएस 1.0 को एचआईएस 2.0 में अपग्रेड करने को मंजूरी दी गई है।

अनुलग्नक

दिनांक 08.08.2025 को उत्तर हेतु लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3293 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

2020 से पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ द्वारा खरीदे गए चिकित्सा उपकरण: -

क्रमांक	विभाग	कुल उपकरण	कार्यशील	गैर- कार्यशील
1	न्यूरोसर्जरी	479	424	55
2	बाल चिकित्सा (गैस्ट्रोएंटरोलॉजी/चिकित्सा/सर्जरी)	110	77	33
3	एडवांस्ड आई सेंटर	75	74	1
4	ओटोलरींगोलॉजी विभाग (ईएनटी)	55	54	1
5	मुख स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र	47	46	1
6	उन्नत बाल चिकित्सा केंद्र	46	26	20
7	एनेस्थिसिया	39	19	20
8	अन्य	245	229	16
	कुल	**1096**	**949**	**147**

******